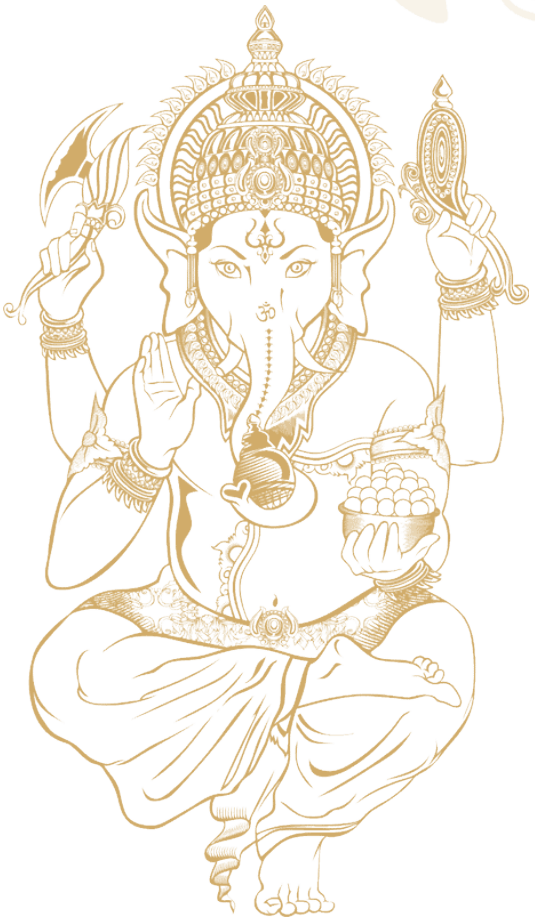

Mr.

21 Mar 2026

05:35 PM

Vishakhapatnam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121939803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:35:00 घंटे**
इष्ट	28:56:58 घटी
स्थान	**Vishakhapatnam**
राज्य	Andhra Pradesh
देश	India

अक्षांश	17:42:00 उत्तर
रेखांश	83:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:36 घंटे
वेलान्तर	-00:07:12 घंटे
साम्पातिक काल	05:34:41 घंटे
सूर्योदय	06:00:12 घंटे
सूर्यास्त	18:07:20 घंटे
दिनमान	12:07:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:39:28 मीन
लग्न के अंश	29:43:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:43:17	345:14:15	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मीन	06:39:28	00:59:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	09:05:13	14:27:22	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:39:44	00:47:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:17:20	00:04:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:02:10	00:02:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	24:27:34	01:14:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:00:47	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:38:18	00:03:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:38:18	00:03:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:06:45	00:02:13	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:34:56	00:02:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:47:55	00:01:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	29:58:05	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

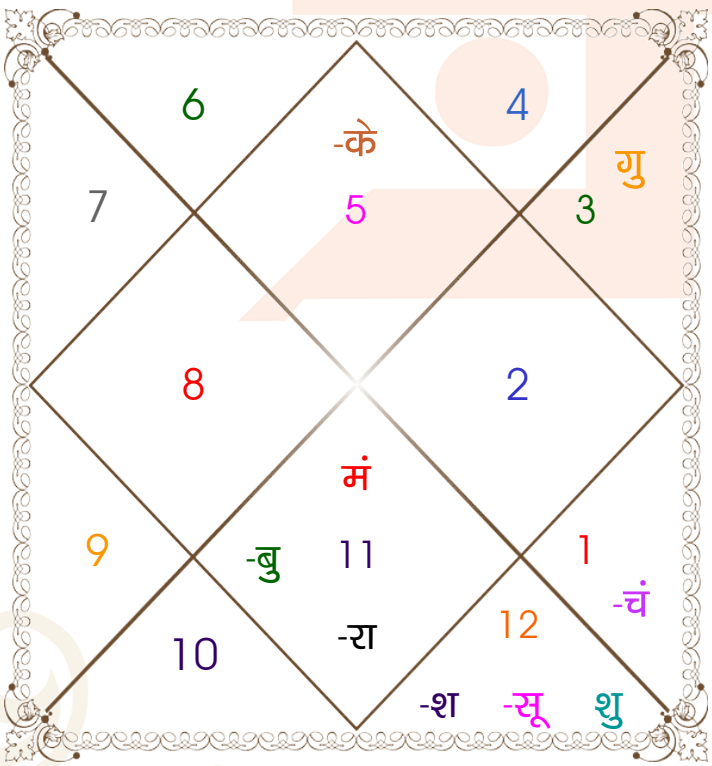

चन्द्र कुंडली

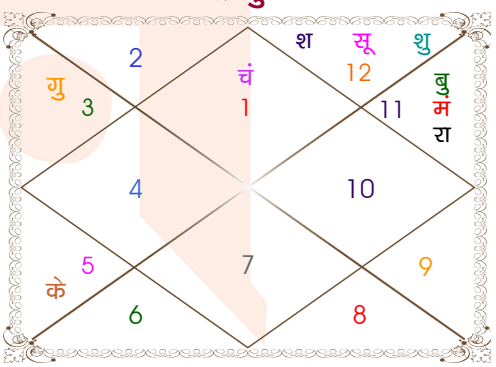

नवमांश कुंडली

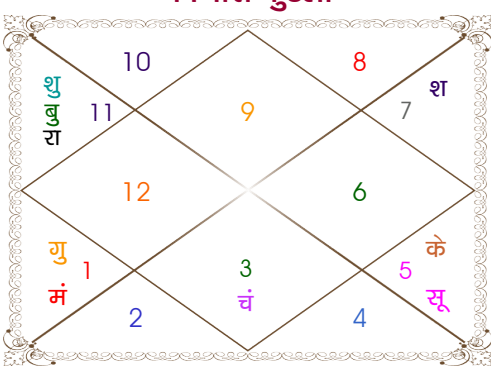

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 2 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/2026		12/06/2028		12/06/2048		13/06/2054		12/06/2064	
12/06/2028		12/06/2048		13/06/2054		12/06/2064		13/06/2071	
	00/00/0000	शुक्र	13/10/2031	सूर्य	30/09/2048	चंद्र	13/04/2055	मंगल	09/11/2064
	00/00/0000	सूर्य	12/10/2032	चंद्र	01/04/2049	मंगल	12/11/2055	राहु	27/11/2065
	00/00/0000	चंद्र	13/06/2034	मंगल	07/08/2049	राहु	13/05/2057	गुरु	03/11/2066
	00/00/0000	मंगल	13/08/2035	राहु	01/07/2050	गुरु	12/09/2058	शनि	13/12/2067
	00/00/0000	राहु	13/08/2038	गुरु	19/04/2051	शनि	13/04/2060	बुध	09/12/2068
	21/03/2026	गुरु	13/04/2041	शनि	31/03/2052	बुध	12/09/2061	केतु	07/05/2069
गुरु	07/05/2026	शनि	12/06/2044	बुध	05/02/2053	केतु	13/04/2062	शुक्र	07/07/2070
शनि	16/06/2027	बुध	13/04/2047	केतु	13/06/2053	शुक्र	13/12/2063	सूर्य	12/11/2070
बुध	12/06/2028	केतु	12/06/2048	शुक्र	13/06/2054	सूर्य	12/06/2064	चंद्र	13/06/2071

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/06/2071		13/06/2089		14/06/2105		13/06/2124		14/06/2141	
13/06/2089		14/06/2105		13/06/2124		14/06/2141		00/00/0000	
राहु	23/02/2074	गुरु	01/08/2091	शनि	17/06/2108	बुध	10/11/2126	केतु	10/11/2141
गुरु	19/07/2076	शनि	11/02/2094	बुध	25/02/2111	केतु	07/11/2127	शुक्र	10/01/2143
शनि	26/05/2079	बुध	19/05/2096	केतु	04/04/2112	शुक्र	07/09/2130	सूर्य	18/05/2143
बुध	12/12/2081	केतु	25/04/2097	शुक्र	05/06/2115	सूर्य	15/07/2131	चंद्र	17/12/2143
केतु	31/12/2082	शुक्र	25/12/2099	सूर्य	17/05/2116	चंद्र	13/12/2132	मंगल	14/05/2144
शुक्र	31/12/2085	सूर्य	13/10/2100	चंद्र	16/12/2117	मंगल	10/12/2133	राहु	02/06/2145
सूर्य	24/11/2086	चंद्र	12/02/2102	मंगल	25/01/2119	राहु	29/06/2136	गुरु	22/03/2146
चंद्र	25/05/2088	मंगल	19/01/2103	राहु	01/12/2121	गुरु	05/10/2138		00/00/0000
मंगल	13/06/2089	राहु	14/06/2105	गुरु	13/06/2124	शनि	14/06/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।